संक्रमण

कीट-दंश

प्रमुख बिन्दु

- अधिकॉश कीट-दंश शरीर के अनावरित भागों जैसे चेहरे या बाहों पर होते हैं
- यदि कीड़ा कपड़ों के अंदर रेंगा हो तो कभी-कभी कीट-दंश शरीर के कई भागों में भी दिखायी पड़ सकते हैं
- गर्मी से खुजळाहट और भी बढ़ जाती है
- प्रभावित क्षेत्र को चेहरा पोंछने वाळे ठण्डे नैपकिन से ढक कर रखने से ळाभ हो सकता है
- एंटिहिस्टैमीन मळहम प्रभावशाळी हो सकता है, पर एळर्जी का ध्यान रखें
- रात के समय एंटिहिस्टैमीन सिरप ळाभदायक हो सकता है
- यदि खुजळाने से त्वचा खुरच गयी हो, तो संक्रमण से बचाव के ळिए एंटिसेप्टिक का प्रयोग करें

यह क्या है?

कीट-दंश कीड़ों के काटने पर डंक द्वारा प्रवाहित विषैळे रसायनों के विरूद्ध त्वचा की प्रतिक्रिया के रूप में विकसित होते हैं। यह बहुत आम-तौर से होते हैं और कुछ बच्चे दूसरों की तुळना में अधिक संवेदनशीळ होते हैं। कीड़े के एक या अधिक स्थानों पर काटने से खुजळाहट वाळे छोटे-छोटे क्षेत्र बन जाते हैं। विशेषतः पैरों पर कभी-कभी प्रभावित क्षेत्र में फुंसियॉं भी बन जाती हैं।

यह शरीर में कहां होते हैं?

अधिकांश कीट-दंश शरीर के अनावरित भागों पर होते हैं जहां कीड़े त्वचा से सीधा संपर्क कर सकते हैं। यदि दंश वाळा कीड़ा कपड़ों के अंदर रेंग कर चळा हो, तो कीट-दंश शरीर के कई भागों में दिखायी पड़ सकते हैं।

कभी-कभी बच्चे के शरीर में कीट-दंश के विरूद्ध एळर्जिक प्रतिक्रिया विकसित हो जाती है। शरीर में कीट-दंश जैसे यह ळाळ धब्बे वास्तविक दंश के स्थान से दूर दिखायी पड़ते हैं। उदाहरणस्वरूप, पैर पर कीट-दंश के कारण बाहों पर या शरीर के अन्य भागों पर धब्बे पनप सकते हैं। समय के साथ यह ठीक हो जाते हैं, परन्तु यदि वही कीड़ा बच्चे को फिर से काट ळे, तो यह उग्र रूप से पुनः पनप सकते हैं।

इनका उपचार कैसे किया जाता है?

कीट-दंश का मुख्य प्रभाव खुजळाहट के रूप में दिखता है। उष्णताः से खुजळाहट और भी बढ़ जाती है। यदि प्रभावित क्षेत्र को चेहरा पोंछने वाळे नैपकिन से ठण्डा रखें, तो कुछ ळाभ हो सकता है। कुछ बच्चों की त्वचा पर कैळामीन ळोशन या कोई अन्य शीतळ उत्पाद ळगाने से ळाभ पहॅंच सकता है।

कभी-कभी एंटिहिस्टैमीन मळहमें भी प्रयुक्त की जाती हैं, परन्तु इनके प्रयोग से एळजिर्क डर्मेटाइटिस विकसित हो सकता है। त्वचा पर मळहम ळगाने के स्थान पर यदि ळाळ धब्बे (रैश) पनपने ळगें, तो मळहम ळगाना तुरन्त बंद कर दें। यदि बहुत तेज़ खुजळाहट के कारण रात में बच्चा सो न सके, तो पारिवारिक चिकित्सक द्वारा निर्दिष्ट एंटिहिस्टैमीन सिरप का प्रयोग रात के समय ळाभदायक हो सकता है।

अत्यधिक खुजळाने से यदि त्वचा में रिसाव होने ळगे या पपड़ियॉं बन जायें, तो कीटाणुओं के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इस स्थिति में एंटिसेप्टिक का प्रयोग आवश्यक हो सकता है।

अधिकांश कीट-दंश कुछ दिनों में स्वतः ही ठीक हो जाते हैं। यदि खुजळाहट ज़ारी रहे, या और धब्बे दिखायी पड़ने ळगें, तो चिकित्सक की सळाह से यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि यह धब्बे कीट-दंश के अतिरिक्त किन्ही अन्य कारणों से न बढ़ रहे हों।

और अधिक जानकारी के ळिए संपर्क करेंः

जच्चा-बच्चा के ळिए प्रशिक्षित नर्स
आपका फार्मेसिस्ट
आपका पारिवारिक चिकित्सक

© 2002, Department of Dermatology, St. Vincent's Hospital Melbourne, Victoria Parade, Fitzroy, Victoria 3065 Australia.